खुशहाल करती मालामाल करती भजन लिरिक्स

खुशहाल करती,
मालामाल करती,
शेरावाली अपने,
भक्तों को निहाल करती।bd।

देखे – सर को झुका लो।

अम्बे रानी वरदानी,
बैठी खोल के भंडारे,
झोली ले गया भरा के,
आया चलके जो द्वारे,
नहीं टाल करती,
तत्काल करती,
शेरावाली अपने,
भक्तों को निहाल करती।bd।

हर दुख जाए टल,
हर मुश्किल हो हल,
झोपड़ी से हो महल,
नहीं लगे एक पल,
माँ कमाल करती,
बेमिसाल करती,
शेरावाली अपने,
भक्तों को निहाल करती।bd।

माँ के नाम वाला अमृत,
जो पी ले एक बार,
होगा बाल ना बांका,
चाहे बैरी हो संसार,
रक्षा आप सरल,
बन ढाल करती,
शेरावाली अपने,
भक्तों को निहाल करती।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लिखे माँ ने लेख,
टाटा नगर वाले 'शर्मा' की,
ओर भी तो देख,
ना संभाल करती,
ना ख्याल करती,
शेरावाली अपने,
भक्तों को निहाल करती।bd।

खुशहाल करती,
मालामाल करती,
शेरावाली अपने,
भक्तों को निहाल करती।bd।

गायक – लखबीर सिंह लख्खा जी।
प्रेषक – हरिओम।
9368454723

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com